हिंदी

(वसंत) (अध्याय - 7) (टिकट-अलबम)
(कक्षा - 6)
प्रश्न अभ्यास

प्रश्न 1:

नागराजन ने अलबम के मुख्य पृष्ठ पर क्या लिखा और क्यों? इसका असर कक्षा के दूसरे लड़के-लड़कियों पर क्या हुआ?

उत्तर 1:

'इस अलबम को चुराने वाला बेशर्म है। ऊपर लिखे नाम को कभी देखा है? यह अलबम मेरा है। जब तक घास हरी है और कमल लाल, सूरज जब तक पूर्व से उगे और पश्चिम में छिपे, उस अनंत काल तक के लिए यह अलबम मेरा है, और रहेगा। 'लड़कों ने इसे अपने अलबम में उतार लिया। लड़कियों ने झट कापियों और किताबो में टीप लिया।

प्रश्न 2:

नागराजन के अलबम के हिट हो जाने के बाद राजप्पा के मन की क्या दशा हुई?

उत्तर 2:

नागराजन के अलबम के हिट हो जाने के बाद राजप्पा मन ही मन उससे जलने लगा। अब उसे अपना एलबम अच्छा नहीं लगता था उसे इकट्ठे किए गए टिकट अब बेकार लगने लगे थे। वह दिन भर अपना एलबम हाथ में लिए बैठा रहता था। उसका स्कूल जाने का मन भी नहीं होता था।

प्रश्न 3:

अलबम चुराते समय राजप्पा किस मानसिक स्थिति से गुजर रहा था?

उत्तर 3:

राजप्पा नागराजन की अनुपस्थिति में नागराजन के घर गया था। उसने मेज की दराज खोलकर चाबी निकालकर अलबम को चुरा लिया और कमीज के नीचे खोंस लिया। सीढ़ियाँ उतरकर घर की ओर भाग गया। घर जाकर उसने अलबम को पुस्तक की अलमारी के पीछे छुपा दिया। ऐसा करते हुए उसका पूरा शरीर जैसे जलने लगा था। गला सूख रहा था और चेहरा तमतमाने लगा था।

प्रश्न 4:

राजप्पा ने नागराजन का टिकट-अलबम अँगीठी में क्यों डाल दिया?

उत्तर 4:

राजप्पा नागराजन का टिकट-अलबम अपने घर तो ले आया था मगर उसे हर समय डर लगा रहता था कि किसी को पता चल गया तो क्या होगा। वह ऐसा सोच ही रहा था कि घर की कुण्डी बजी। राजप्पा को लगा कि पुलिस आई है। उसने डर के मारे तकिए के नीचे से अलबम उठाया, जल्दी से बाथरूम में घुसकर दरवाजा बंद कर लिया। उसने अलबम को अँगीठी में डाल दिया। अलबम जलने लगा। प्यारे-प्यारे टिकट देखकर उसकी आँखों में आँसू आ गए।

प्रश्न 5:

लेखक ने राजप्पा के टिकट इकट्ठा करने की तुलना मधुमक्खी से क्यों की?

उत्तर 5:

जिस प्रकार मधुमक्खी शहद इकट्ठा करने के लिए फूलों पर मंडराती घूमती है। ठीक उसी तरह राजप्पा भी टिकट लेने के लिए एक दोस्त से दूसरे दोस्त, एक घर से दूसरे घर घूमता रहता था। आपस में टिकट भी बदलता था। उसके इसी प्रकार के व्यवहार को देखकर लेखक ने उसकी तुलना मधुमक्खी से की है।

कहानी से आगे

प्रश्न 1.
टिकटों की तरह ही बच्चे और बड़े दूसरी चीजें भी जमा करते हैं। सिक्के उनमें से एक हैं। तुम कुछ अन्य चीजों के बारे में सोचो जिन्हें जमा किया जा सकता है। उनके नाम लिखो।

उत्तर-
टिकटों और सिक्कों के अतिरिक्त पेंटिंग्स, बैग, जूते, या कुछ अनमोल कलाकृतियाँ जमा की जा सकती हैं।

प्रश्न 2.
टिकट-अलबम का शौक रखने के राजप्पा और नागराजन के तरीके में क्या फ़र्क है? तुम अपने शौक के लिए कौन सा तरीका अपनाओगे?

उत्तर-
राजप्पा ने टिकट एकत्र करने में जी-जान लगा दिया था। उसे टिकट इकट्ठा करने की धुन थी। बड़ी मेहनत से उसने अपना अलबम तैयार किया था। परंतु नागराजन को बैठे-बिठाए सुंदर-सा अलबम मिल गया। उसके मामाजी ने सिंगापुर से उसके लिए टिकट अलबम भेज दिया था। उसे टिकट जुटाने में कोई परेशानी नहीं हुई। यदि मुझे टिकट अलबम बनाना हो, तो मैं राजप्पा का तरीका अपनाऊँगा क्योंकि अपनी मेहनत से कुछ बनाने और बिना मेहनत के पा लेने में फर्क होता है।

प्रश्न 3.
इकट्ठा किए हुए टिकटों का अलग-अलग तरह से वर्गीकरण किया जा सकता है, जैसे-देश के आधार पर। ऐसे और आधार सोचकर लिखो।

उत्तर-
टिकटों का वर्गीकरण निम्न आधार पर किया जा सकता है-पशु-पक्षियों के आधार पर, महापुरुषों के आधार पर, सामाजिक समस्याओं के आधार पर, ऐतिहासिक घटनाक्रम के आधार पर, स्वतंत्रता संग्राम के आधार पर, इत्यादि।

प्रश्न 4.
कई लोग चीजें इकट्ठी करते हैं और 'गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज करवाते हैं। इसके पीछे उनकी क्या प्रेरणा होती होगी। सोचो और अपने दोस्तों से इस पर बातचीत करो।

उत्तर-
चीजें इकट्ठा करने का शौक जब चरम सीमा तक पहुँच जाता है और वह दुनिया के बाकी लोगों को

पीछे छोड़ देता है, तब नाम गिनीज बुक में दर्ज होता है। अकसर प्रसिद्ध पाने की लालसा में लोग इस तरह के काम करते हैं।

अनुमान और कल्पना

प्रश्न 1.
राजप्पा अलबम के जलाए जाने की बात नागराजन को क्यों नहीं कह पाता है? अगर वह कह देता तो क्या कहानी के अंत पर कुछ फ़र्क पड़ता? कैसे?

उत्तर-
अगर राजप्पा अलबम जलाए जाने की बात नागराजन को कहती, तो नागराजन उसे ईष्यालु और चोर समझती और दोनों में शत्रुता हो जाती। नागराजने उससे लड़ सकता था। उसे माता-पिता से डाँट भी सुननी पड़ती। हो सकता है, नागराजन स्कूल में भी सबको बता देता और राजप्पी को शरमिंदगी झेलनी पड़ती।

प्रश्न 2.
कक्षा के बाकी विद्यार्थी स्वयं अलबम क्यों नहीं बनाते थे? वे राजप्पा और नागराजन के अलबम के दर्शक मात्र क्यों रह जाते हैं? अपने शिक्षक को बताओ।

उत्तर-
कक्षा में बस एक राजप्पा ही था, जिसे टिकट इकट्ठा करने की धुन थी। वह एक-एक टिकट इकट्ठा करने के लिए मित्रों के घर के कई चक्कर लगाती थी लेकिन बाकी छात्र इतना परिश्रम नहीं करना चाहते थे। इसको बनाने में काफ़ी परिश्रम, समय और रुपए खर्च भी करना पड़ता था। बाकी छात्र दूसरों के अलबम को देखकर खुश हो जाते थे। कक्षा में राजप्पा ही ऐसा छात्र था जो बड़े मेहनत के साथ टिकटें जमा करता था। सभी विद्यार्थियों को नया काम करने का शौक नहीं होता। वे अधिक परिश्रम नहीं करना चाहते। वे दूसरों की वस्तुओं को देखकर ही खुश हो जाते हैं।

भाषा की बात

प्रश्न 1.
निम्नलिखित शब्दों को कहानी में हूँढ़कर उनका अर्थ समझो। अब स्वयं सोचकर इनसे वाक्य बनाओ-

- खोंसना
- जमघट
- टटोलना

- कुढना
- ठहाका
- अगुआ
- पुचकारना
- खलना
- हेकड़ी
- तारीफ़

उत्तर-

	शब्द	अर्थ		वाक्य प्रयोग
(क)	खोंसना	(फँसाना)	—	उसने साड़ी का पल्लू खोंस लिया।
(ख)	जमघट	(भीड़)	—	बंदर का खेल देखने के लिए बच्चों का जमघट लग गया।
(ग)	टटोलना	(ढूँढ़ना खोजना)	—	मैंने पूरी अलमारी टटोल ली पर कहीं कुछ नहीं मिला।
(घ)	कुढ़ना	(अपने आप पर गुस्सा करना)	—	अपनी बुराई सुनकर वह कुढ़ने लगा।
(ङ)	ठहाका	(जोर से हँसना)	—	चुटकुला सुनकर लोग ठहाका मारकर हँस पड़े।
(च)	अगुआ	(आगे चलने वाला)	—	गांधी जी आज़ादी दिलवाने वालों के अगुआ थे।
(छ)	पुचकारना	(सांत्वना देना, प्यार से बुलाना)	—	बच्चे को रोते देखकर माँ ने उसे पुचकारा।
(ज)	खलना	(बुरा लगना)	—	मुझे परीक्षा के दिनों में मेहमानों का घर आना खलता है।
(झ)	हेकड़ी	(अकड़/जबरदस्ती)	—	दो थप्पड़ पड़ते ही संजय सारी हेकड़ी भूल गया।
(ञ)	तारीफ़	(प्रशंसा)	—	नेहा के गुणों की सभी तारीफ़ करते हैं।

प्रश्न 2.
कहानी से व्यक्तियों या वस्तुओं के लिए प्रयुक्त हुए 'नहीं' का अर्थ देने वाले शब्दों (नकारात्मक विशेषण) को छाँटकर लिखो। उनका उलटी अर्थ देने वाले शब्द भी लिखो।

उत्तर-

नकारात्मक विशेषण	उलटा अर्थ देने वाले शब्द
घमंडी	स्वाभिमानी
फिसड्डी	बढ़िया
ईर्ष्यालु	स्पर्धालु, प्रेमी
बेशर्म	शरमीला
फालतू	आवश्यक

उतरा	चढ़ा
कीमती	सस्ता
चिंतित	निश्चिंत
भयानक	मनभावन

कुछ करने को

प्रश्न 1.
मान लो कि स्कूल में तुम्हारी कोई प्रिय चीज़ खो गई है। तुम चाहते हो कि जिसे वह चीज़ मिले वह तुम्हें लौटा दे। इस संबंध में स्कूल के बोर्ड पर लगाने के लिए एक नोटिस तैयार करो निम्नलिखित बिंदु हों
(क) खोई हुई चीज़।
(ख) कहाँ खोई ?
(ग) मिल जाने पर कहाँ लौटाई जाए?
(घ) नोटिस लगाने वाले/वाली का नाम और कक्षा।

उत्तर-
नोटिस
सूचनापट
कल दिनांक 5-4-20xx को मेरी छठी कक्षा की विज्ञान की पुस्तक विद्यालय के कंप्यूटर लैब में छूट गई थी। यदि किसी को यह मिली हो, तो छठी कक्षा में आकर मुझे देने का कष्ट करें।

नेहा तिवारी
छठी 'ब', क्रमांक-02

प्रश्न 2.
डाक टिकटों के बारे में और जानना चाहते हो तो नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली से प्रकाशित पुस्तक 'डाक टिकटों की कहानी पढ़ो।

उत्तर-
निर्देश-छात्र विद्यालय के पुस्तकालय से इस पुस्तक को लेकर पढ़े।

सुनना-सुनाना

प्रश्न 1.
राजप्पा और नागराजन की तरह क्या तुम भी कोई शौक रखते हो? उससे जुड़े किस्से सुनाओ।

उत्तर-
नागराजन और राजप्पा की भाँति मुझे भी सिक्के इकट्ठे करने का शौक है। पुराने सिक्के को अधिक मूल्य देकर खरीद लेता हूँ। आज मेरे पास दुर्लभ सिक्के करीब 200 मेरे पास हैं। मैं यह इसलिए रखता हूँ ताकि ये सुरक्षित रहें और आने वाले अन्य बच्चे इसके बारे और अधिक से अधिक जानकारी प्राप्त कर सकें। छात्र इस प्रकार के अनेक अनुभव कक्षा में सुना सकते हैं।

प्रश्न 2.
कुछ कहानियाँ सुखांत होती हैं और कुछ कहानियाँ दुखांत। इस कहानी के अंत को तुम दुखांत मानोगे या सुखांत? बताओ।

उत्तर-
कहानियाँ प्रायः आमतौर पर सुखांत और दुखांत दो प्रकार की होती हैं। ऐसी कहानियाँ जिसका अंत सुखद होता है, सुखांत कहलाती हैं। जिन कहानियों का अंत किसी दुखद घटना से होता है, वे दुखांत कहलाती हैं। इस कहानी का अंत राजप्पा के फूट-फूटकर रोने से होता है। अतः यह कहानी दुखांत है।

बोलते-चेहरे

कुढ़ता चेहरा
ईर्ष्यालु चेहरा
घमंडी चेहरा
अपमानित चेहरा
भूखा चेहरना
चालबाज़ चेहरा
भयभीत चेहरा
आँसा चेहरा

इन भावों को अभिव्यक्त करके दिखाओ।

उत्तर- छात्र स्वयं करें।